>

Title: Need to approve the Indira Gandhi Lift Irrigation Project in Rajasthan and also formulate schemes to use water of the river Yamuna for irrigation purposes.

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा (दौसा):राजस्थान एक ऐसा राज्य है जो भू-भाग की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य में एक बहुत बड़ा भू-भाग मरूस्थलीय है तथ दूसरी ओर लंबा पूरा पिछड़ा हुआ आदिवासी इलाका है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान से सटा लंबा पूरा भू-भाग डकैतों एवं असामाजिक तत्वों की शरणस्थली बना हुआ है। प्रदेश में सिंचित क्षेत्र बढ़ाना तो दूर की बात पीने के पानी की भीषण समस्या बनी हुई है किंतु सरकार ने देश के इतने बड़े भू-भाग के लिए पानी की समुचित व्यवस्था नहं की। राजस्थान राज्य को पेयजल की दृष्टि से विशेष राज्य का दर्जा दिये जाने की मांग बराबर उठती आई है, किंतु केंद्र सरकार ने सदैव इस मांग की अनदेखी की है। प्रदेश में अनेकों नदियों हैं जिन्हें आपस में जोड़ा जाये तो पीने के पानी की ही नहीं एक बहुत बड़े भू-भाग को सिंचित भी किया जा सकता है। कोटा की हाउन स्ट्रीम से लेकर सवाईमाधोपुर, करौली होते हुए धौलपुर तक करीबन 150-200 किलोमीटर की लंबाई में बहने वाली बारहमासी चंबल नदी का पानी बहकर बेकार चला जाता है। इस पानी को लिफ्ट कर सवाई माधोपुर, दौसा, करौली, धौलपुर, भरतपुर टोक, जयपुर के क्षेत्र को पानी उपलब्ध कराया जा सकता है। चंबल के रामेश्वर घाट से पानी लिफ्ट कर सवाई माधोपुर जिले को सिंचित किये जाने की एक महती योजना (इंदिरा लिफ्ट सिंचित योजना) बहुत लंबे समय से भारत सरकार में लंबित है उसे स्वीकृत किया जाना चाहिए तथा चंबल के पानी को लिफ्ट कर बीसलपुर में डलवाया जाये जिससे जयपुर एवं अजमेर शहरों को पर्याप्त मात्रा में पानी दिया जा सके तथा चंबल के पानी को बीसलपुर से ईशरदा डेम मे डालकर इस पानी को दौसा एवं सवाई माधोपुर संसदीय क्षेत्र को उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

यमुना का पानी बरसात काल में बहकर बेकार चला जाता है। यमुना के इस बरसाती पानी को एक नहर के जरिए जयपुर के जमवारामगढ़ बंधे में डाल दिया जाये और इस पानी को बाणगंगा, सोन नदी, रूपारेल नदी, मोरेल एवं बनास में डालते हुए चंबल से लिंक कर दिया जाये तो समूचा जयपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा, सवाईमोधोपुर, करौली, टौंक आदि जिलो को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा सकता है।

अतः मेरी मांग है कि इस महती योजना को राज्य के हित में लागू करें जिससे राजस्थान की जनता को पानी त्राहि-त्राहि से बचाया जा सके।

MADAM SPEAKER: Now, we have the Supplementary List of Business. Item No.29 A, Copyright (Amendment) Bill, 2012.

Hon. Minister.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बोल चुके हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ऐसे नहीं करिये। क्या हुआ?

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please take your seat. Do not get agitated.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। आप क्यों खड़े हो गए?

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please take your seat. Hon. Minister is on his legs. Please do not do that.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT AND MINISTER OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI KAPIL SIBAL): Madam,...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : क्या हो गया है?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपका नोटिस कहाँ है? आपने मुझे नोटिस नहीं दिया है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कब दिया है? आप सुबह नोटिस दीजिए। इस तरह से आप बोल रहे हैं। आप अपनी सीट पर जाकर बैठिये। Do not scream. Let me run the House at least. Why are you shouting?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : अब सबको कैसे बुलाएँ? One Member was to speak and he has spoken. You can associate yourself.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: You did not allow the Question Hour to run. You requested for the time in 'Zero Hour'. I have given the opportunity in 'Zero Hour'. What do you want? Your notice had not come earlier. It has come now. What is this?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : हम आपको बोलने दे रहे हैं, पर आप इतना नहीं चिल्लाइए। आप ज़रा सा शांत हो जाइए, तब आपको बुलाएँगे।

â€¦(व्यवधान)